



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 342]

नई दिल्ली, सोमवार, दिसम्बर 31, 2001/पौष 10, 1923

No. 342]

NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 31, 2001/PAUSA 10, 1923

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 2001

प्रारंभिक जांच-परिणाम

विषय: चीन जनवादी गणराज्य और सिंगापुर के मूल के अथवा वहां से निर्यातित डी (-)पारा

हाइड्रोक्सी फिनाइल ग्लिसिन बेस के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच - प्रारंभिक जांच परिणाम

सं. 51/1/2001-डीजीएडी-1995 में यथामंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 तथा उसकी सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निधारण) नियमावली, 1995 का ध्यान में रखत हुए

क. प्रक्रिया

2 निम्नलिखित प्रक्रिया का पालन किया गया:-

- (i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है) को नियमांक अंतर्गत घरलु उद्योग की आर स मै0 दौराला आर्गेनिक्स लिमिटेड, दौराला, मेरठ, उत्तर प्रदेश से एक

- लिखित याचिका प्राप्त हुई, जिसमें चीन जनवादी गणराज्य और सिंगापुर (जिन्हें इसके बाद संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित डी (-) पारा हाइड्रोक्सी फिनाइल ग्लिसिन बेस जो पी एच पी जा बेस के नाम से भी जाना जाता है (जिसे इसके बाद संबद्ध वस्तु कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाया गया था,
- (ii) प्राधिकारी ने उक्त नियम 5 के उपनियम (5) के अनुसार जांच शुरू करने से पहले याचिकाकर्ता द्वारा किए गए पाटन संबंधी आवेदन के प्राप्त होने की सूचना भारत स्थित चीन जनवादी गणराज्य के दूतावास और सिंगापुर के उच्चायोग को दी;
- (iii) प्राधिकारी ने सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की अनुसूची -I के अध्याय शीर्ष 2942 के अंतर्गत आने वाले डी (-) पारा हाइड्रोक्सी फिनाइल ग्लिसिन बेस के आयातों से संबंधित पाटनराधी कार्रवाई शुरू करते हुए दिनांक 1 अक्टूबर, 2001 को सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र असाधारण में प्रकाशित किया गया,
- (iv) प्राधिकारी ने ज्ञात निर्यातकों, आयातकों, उद्योग एसोसिएशनों तथा शिकायतकर्ताओं को उक्त सार्वजनिक सूचना की प्रति भेजी और उन्हें अपने विचार लिखित रूप में देने का अवसर प्रदान किया,
- (v) प्राधिकारी ने उक्त नियम 6 के उपनियम (3) के अनुसार याचिका की प्रति सभी ज्ञात निर्यातकों और भारत में संबद्ध देशों के राजनयिक मिशनों को उपलब्ध करवाई,
- (vi) प्राधिकारी ने संगत सूचना प्राप्त करने के लिए चीन जनवादी गणराज्य और सिंगापुर के निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावलियां भेजी:

चीन जनवादी गणराज्य

- मै0 लियानजिन किसक्विंग गुवागथुई कैमिकल प्लांट, तियानजिन, चीन
- मै0 वृजिन नियुटांग कैमिकल प्लांट, जियांग्सू, चीन
- मै0 हेंगडियान ग्रुप आर्गेनिक कैमिकल कं0 लि0, झिजिआंग, चीन
- मै0 ताइक्सिंग याग्जी फार्मास्युटिकल एण्ड कैमिकल प्लांट, जियांग्सू, चीन

सिंगापुर

- मै0 कनका सिंगापुर कं0 (पी टी ई) लि0, सिंगापुर

मै0 कनेका सिंगापुर कं0 (पी टी ई) लि0, सिंगापुर और मै0 हेंगडियान ग्रुप आर्गेनिक्स कैमिकल कं0 लि0, झेजिआंग, चीन ने प्रश्नावली का उत्तर दिया ।

(vii) जांच शुरू करने के बारे में नई दिल्ली स्थित चीन जनवादी गणराज्य के दूतावास और सिंगापुर के उच्चायोग को भी सूचित किया गया था और उन्हें अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों से निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत करने की सलाह देने का अनुरोध किया गया था;

(viii) संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित उपयोक्ताओं/आयातकों को प्रश्नावली भेजी गई थी:-

- मै0 अरविन्दो फार्मा लि0, हैदराबाद
- मै0 ल्युपिन लेबोरेटरीज लि0, मुम्बई
- मै0 कोपरान, ड्रग्स लि0, रायगढ़
- मै0 सुइया फार्मास्युटिकल लि0, चंडीगढ़
- मै0 टोरेन्ट गुजरात बायोटेक लि0, अहमदाबाद
- मै0 रेनबैक्सी लेबोरेटरीज लि0, नई दिल्ली
- मै0 टिनी फार्मा लि0, मुम्बई

मै0 क डी एल बायोटेक लि0, रायगढ़ का छाड़कर, किसी भी उपयोक्ता/आयातक ने प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है ।

(ix) याचिकाकर्ताओं से क्षति के बारे में अतिरिक्त सूचना मांगी गई थी, जो प्रस्तुत भी कर दी गयी थी

(x) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंशों को उसकें द्वारा रखी गयी सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध रखा और उस हितबद्ध पार्टियों द्वारा निरीक्षण के लिए खुला रखा,

(xi) *** यह चिह्न इस अधिसूचना में हितबद्ध पार्टियों द्वारा गोपनीय आधार पर दी गयी सूचना का द्योतक है और प्राधिकारी द्वारा इस ऐसा ही माना गया है,

(xii) इस जांच में 1 अप्रैल, 2001 से 30 सितम्बर, 2001 तक की अवधि शामिल है,

(xiii) जांच शुरूआत संबंधी सूचना की प्रतियां व्यापक परिचालन हेतु फिक्की, सी आई आई, एसोचम आदि को भी भेजी गयी थी ।

ख. याचिकाकर्ता का विचार

3. याचिकाकर्ता मै0 दौराला आर्गेनिक्स लि0 न अपन अनुरोधों में निम्नलिखित मुद्दे उठाए हैं -
 - (i) पी एच पी जी बेस वर्ष 1999 के आखिर स चीन जनवादी गणराज्य स भारत में आना शुरू हुआ है । बहुत ही कम मात्रा में पहली खप भारत में फरवरी, 1999 में पहुँची । परन्तु फरवरी, 2001 के बाद जब घरेलू उद्योग वाणिज्यिक उत्पादन शुरू करने की योजना बना ही रहा था, चीन ने संबद्ध वस्तु का बहुत ही कम कीमतों पर पाटन शुरू कर दिया जो शुरूआती चरण पर घरेलू उद्योग को समाप्त करने के लिए अभी भी जारी है । सिंगापुर से पिछले कई वर्षों से आयात हो रहे हैं । उन्होंने भी चीन के प्रवेश के बाद कीमतों में कमी करनी शुरू कर दी है जिसके कारण पाटन हो रहा है,
 - (ii) माहवार आयात सांख्यिकी से प्रदर्शित हाता है कि चीन जनवादी गणराज्य मुख्यतः जांच अवधि के दौरान कीमतों में तेजी से कमी कर रहा है जिससे उनकी राय में अंतर्राष्ट्रीय कीमतों पर परिवर्ती लागत भी प्राप्त नहीं हो सकती है । निर्यातकों का लक्ष्य शुरूआती चरण में ही घरेलू उद्योग को समाप्त करना है क्योंकि उनकी सूचना के अनुसार चीन जनवादी गणराज्य ने दोनों उत्पादों के लिए अतिरिक्त क्षमता सृजित कर ली है जिसके कारण चीन जनवादी गणराज्य में बेशी क्षमता उत्पन्न हो गयी है । चीन जनवादी गणराज्य के निर्यातक ने जुलाई और अगस्त के महीनों में 12.5 अमरीकी डालर प्रति किलोग्राम का भारतीय उपभोक्ताओं को प्रस्ताव किया था । याचिकाकर्ता द्वारा आगे यह दावा किया गया था कि निर्यातक गुणवत्ता छूट के रूप में 1.00 से 1.50 अमरीकी डालर तक की छूट भी दे रहे हैं जिसे सी आई एफ मूल्य में प्रदर्शित नहीं किया जाता है लेकिन बाद में इस क्रेडिट नोट जारी करके समायोजित किया जाता है,
 - (iii) भारत में अपना बाजार बनाए रखने के लिए सिंगापुर के निर्यातक भी अपनी कीमत घटा रहे हैं जिसके कारण पाटन हो रहा है । यद्यपि सिंगापुर से मात्रा में कमी आयी है (मूलतः चीन जनवादी गणराज्य ने उस पर कब्जा कर लिया है) तथापि, सिंगापुर के निर्यातकों ने भी भारत में पाटन करना शुरू कर दिया है जिसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है,
 - (iv) याचिकाकर्ता ने अनुरोध किया है कि हाल ही में दिनांक 31 मई, 2001 को सीमाशुल्क अधिसूचना संख्या 28/2001 (एन टी) के तहत किए गए संशोधन में चीन को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में घोषित किया गया है । तदनुसार, उन्होंने चीन जनवादी गणराज्य में सामान्य मूल्य के संकेतक के रूप में परिकलित सामान्य मूल्य को प्रस्तुत किया है ।

- (v) याचिकाकर्ता ने कहा है कि उन्होंने सिंगापुर व्यापार विकास बोर्ड से सामान्य मूल्य संबंधी सूचना प्राप्त करने के लिए प्रयास किया और तदनुसार उन्हें सिंगापुर में संबद्ध सामग्री की घरेलू कीमत के बारे में एक पत्र लिखा है। अगर कोई घरेलू बिक्री नहीं हुई है, तो तीसरे देश को किए गए निर्यातों का ब्यौरा देने के लिए भी उन्हें कहा गया है। उत्तर के अनुसार तीसरे देश में संबद्ध सामग्री के लिए अलग से निर्यात आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं और याचिकाकर्ता के स्रोतों के अनुसार संबद्ध वस्तु की कोई घरेलू बिक्री नहीं हुई है। तदनुसार याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि सामान्य मूल्य के लिए केवल परिकल्पित सामान्य मूल्य का विकल्प है।
- (vi) चीन जनवादी गणराज्य और सिंगापुर के निर्यातक भारत में संबद्ध वस्तुओं का पाटन कर रहे हैं। पाटनरोधी नियमों के अनुबंध-II (iii) में यह व्यवस्था है कि एक से अधिक देश से किसी उत्पाद के आयातों के मामले में जब उनकी एक साथ पाटनरोधी जांच हो रही हो तो निर्दिष्ट प्राधिकारी ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी रूप से आकलन करेगा लेकिन यह निर्धारित हो जाए कि:
- (क) प्रत्येक देश से किए गए आयातों के बारे में स्थापित डंपिंग मार्जिन निर्यात मूल्य के रूप में दिए गए 2 प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से किए गए आयातों की मात्रा समान वस्तु के आयातों का 3% है अथवा जहां प्रत्येक देश का निर्यात 3% से कम है वहां संचयी रूप से आयात समान वस्तु के आयातों का 7% से अधिक बनता है; और
- (ख) आयातित वस्तु और समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों को देखते हुए आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन करना उचित है।
- (ग) प्रत्येक संबद्ध देश से पाटन मार्जिन उपर्युक्त निर्धारित सीमा से अधिक हैं।
- (घ) प्रत्येक संबद्ध देश से आयातों की मात्रा न्यूनतम सीमा से अधिक है। आयातों के प्रभावों का संचयी मूल्यांकन करना उचित है क्योंकि भारतीय बाजार में संबद्ध देशों से किए गए निर्यातों की प्रतिस्पर्धा

सीधे घरेलू उद्योग द्वारा बेचे जा रहे माल से है। इसलिए प्राधिकारी से अनुरोध है कि घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से हुई क्षति का आकलन संचयी रूप से किया जाए।

(vii) मौजूदा याचिका उद्योग की स्थापना में वास्तविक मंदी के विरुद्ध है। चूंकि याचिकाकर्ता अपने वाणिज्यिक उत्पादन को भारतीय बाजार में स्थान दिलाने के लिए प्रयासरत है और संबद्ध देशों से आयात घरेलू उद्योग के उत्पादन के वाणिज्यिकरण को रोक रहे हैं इसलिए आयातों से उद्योग की स्थापना में वास्तविक मंदी आई है। हालांकि "नव स्थापित उद्योग" अर्थात् मै0 डोल ने वाणिज्यिक उत्पादन शुरू कर दिया है फिर भी उद्योग को अभी भी बाजार में अपना स्थान बनाना है। घरेलू उद्योग क्षमता उपयोग का संतोषजनक स्तर प्राप्त करने में और बाजार में अपना स्थान बनाने में अभी सफल नहीं हुआ है। इसके अलावा उत्पादन की शुरूआती अवस्था में संबंध देशों से हुए निर्यातों से वास्तविक क्षति का खतरा हो रहा है।

(viii) याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि उसने जो प्रौद्योगिकी इस्तेमाल की है वह विश्व के अन्य उत्पादकों द्वारा उपयोग में लाई जा रही प्रौद्योगिकी के तुल्य है। घरेलू उद्योग को क्षति व्यापार अवरोधी कार्यवाही और विदेशी व घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा, प्रौद्योगिकी में विकास निर्यात निष्पादन या उत्पादकता जैसे धारकों से नहीं हुई हैं।

(ix) पाटित कीमतों पर संबद्ध सामग्री के निर्यात में तीव्र वृद्धि ने घरेलू उद्योग को न केवल अपनी सामान्य बिक्री कीमत प्राप्त करने से बंचित कर दिया है बल्कि घरेलू उद्योग को बाजार में बने रहने से भी रोक दिया। बढ़ती हुई मांग के बावजूद घरेलू उद्योग को उसके शुरूआती चरण में ही बहुत क्षति हुई है। उद्योग की स्थापना में वास्तविक मंदी का कारण केवल संबद्ध देशों से पाटित आयातों का होना है। इसके अलावा उत्पादन के शुरूआती चरण में घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से निर्यातों के कारण वास्तविक क्षति का खतरा बना हुआ है।

(ग) निर्यातकों, आयातकों और उपयोक्ताओं के विचार

4. निर्यातक

जैसाकि ऊपर कहा गया है केवल मै0 कनेका सिंगापुर कं.(पीटी ई) लिमिटेड, सिंगापुर और मै0 हेंगदियान ग्रुप आर्गेनिक कैमिकल कं. लिमिटेड, झेजियांग, चीन ने प्रश्नावली का उत्तर दिया है। मै0 कनेका ने अपने अभ्यावेदनों में निम्नलिखित विचार व्यक्त किए हैं-

(क) उन्होंने इस उत्पाद का उत्पादन युनीक एन्जाइमेटिक विधि से किया है जोकि याचिका में उल्लिखित सभी अन्य चीनी और भारतीय उत्पादकों की विधि से अलग है। उनकी विधि परंपरागत रासायनिक विधि है और एन्जाइमेटिक विधि की उत्पादन लागत रासायनिक विधि से काफी कम है।

(ख) संबद्ध उत्पाद के संबंध में जैसाकि मै0 डोल ने याचिका में उल्लेख किया है, एमाक्सीलीन और केफाडोरोक्सिल दोनों एंटीबायोटिक दवाइयों का उत्पादन पी एच पी जी बेस से सीधे ही नहीं किया जा सकता है अपितु इसे अधिक उन्नत मध्यवर्ती उत्पादों जैसे कि पी एच पी जी डी एस में परिवर्तित करने की जरूरत होती है और हमारी सकल बिक्री वस्तुतः पी एच पी जी डी एस के रूप में होती है। इसलिए हमने पी एच पी जी डी एस की सूचना को शामिल किया है।

(ग) भारत से इतर देशों को पी एच पी जी बेस की हमारी बिक्रियां भारत से अपेक्षाकृत कम होने के कारण भी हम यह मानकर चलेंगे कि पी एच पी जी डी एस के आंकड़ों को संदर्भित करने से मूल्यांकन अधिक सही हो सकता है।

(घ) क्या मै0 डोल का इस विषय में याचिकाकर्ता के रूप में होना न्यायसंगत है। हमें इस बात पर आश्चर्य हो रहा है क्योंकि डोल की याचिका के अनुसार जब चीन से पाटन शुरू हुआ था जोकि फरवरी, 2001 में शुरू हुआ था, तब डोल ने अपना उत्पादन शुरू नहीं किया था।

(ङ.) याचिका के अनुसार मै0 डोल केवल : 20 मी. टन/महीना से कम उत्पादन करता है। तदनुसार यह कहा जा सकता है कि डोल की बिक्री मात्रा आयातों की मात्रा की तुलना में अवास्तविक है और इस तरह कारणात्मक का तथाकथित "मात्रात्मक प्रभाव" संबंधी कारण प्रमाणित नहीं होता है।

5. आयातक और उपयोक्ता

मै0 के डी एल बायोटेक लिमिटेड, रायगढ़

संबद्ध वस्तु के आयातकों में से एक मै0 के डी एल ने निम्नलिखित अनुरोध किया है। तथपि उन्होंने निधारित प्रश्नावली के अनुसार सूचना प्रस्तुत नहीं की है-

(क) पी एच पी जी बेस की खपत लगभग 200 मी.टन प्रति महीना है । मै0 दौराला आर्गेनिक्स की मौजूदा क्षमता 25 मी.टन प्रति महीना से कम है । घरेलू बाजार में ए एम टी एच की बिक्री के लिए पी एच पी जी की खपत स्थानीय विनिर्माता द्वारा स्थानीय रूप से आपूर्ति की जा सकने वाली उक्त वस्तु से अधिक है ।

(ख) इससे भविष्य में एकाधिकार की स्थिति बन जाएगी क्योंकि दौराला भारत में एकमात्र विनिर्माता है ।

(ग) चीन द्वारा आफर की गई कीमत उनके द्वारा विश्व के अन्य उपभोक्ताओं को आफर की जा रही कीमतों के तुल्य है ।

(घ) चीन वाले भारत में पी एच पी जी की आपूर्ति अपनी विनिर्माण लागतों से कम कीमतों पर नहीं कर रहे हैं ।

(ङ) प्रथम दृष्टया इस कार्रवाई से डी(-) पारा हाइड्राक्सी फिनाइल ग्लाइसीन बेस और मिथाइल पोटैशियम देन साल्ट के उपयोग से संबंधित भारतीय बल्क ड्रग मैन्यूफैक्चरिंग उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा ।

(घ) जांच और प्राधिकारी का जांच परिणाम

6. इन जांच परिणामों पर पहुंचते समय घरेलू उद्योग, निर्यातकों और हितबद्ध पार्टियों द्वारा किए गए अनुरोधों की जांच की गई है और जहां कहीं उपयुक्त समझा गया उन पर एतदपश्चात विचार किया गया है

(ड.) विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

7 डी (-) अल्फा पारा हाइड्रोक्सी फिनाइल ग्लिसीन बस का निम्न नाम स भी जाना जाता है :-

डी (-) अल्फा पारा हाइड्रोक्सी फिनाइल ग्लिसीन, डी (-) अल्फा पारा हाइड्रोक्सी फिनाइल ग्लिसीन बेस, डी(-) पारा हाइड्रोक्सी फिनाइल ग्लिसीन, पारा हाइड्रोक्सी फिनाइल ग्लिसीन बस, पारा हाइड्रोक्सी फिनाइल ग्लिसीन, डी (-) पी-हाइड्रोक्सी फिनाइल ग्लिसीन बस डी (-) पी-हाइड्रोक्सी फिनाइल ग्लिसीन ।

याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है कि मुख्यतः "डी (-) पारा हाइड्रोक्सी फिनाइल ग्लिसीन बस" (जिस उपरोक्त पर्यायवाची शब्दों के अनुसार भी पढ़ा जाता है) अर्थात् "संबद्ध वस्तु" (जिस इसके पश्चात् पीएचपीजी भी कहा गया है) का भारत में आयात किया जाता है जिस विभिन्न आयातको/विनिर्माताओं द्वारा इसके स्थान पर "डी (-) पारा हाइड्रोक्सी मिथाइल ग्लिसीन फिनायल पोटेसियम डाने साल्ट" (जिसके बाद 'पीएचपीजीडीएस' कहा गया है) के रूप में परिवर्तित किया जाता है और इसका इस्तेमाल अमोक्सीलीन और सफाड्राक्साइल (अर्थात् बल्क औषधियाँ) के उत्पादन के लिए किया जाता है ।

अन्य शब्दों में, पीएचपीजी का प्रत्यक्ष प्रयोग अमोक्सीलीन तीन इत्यादि के उत्पादन में नहीं किया जा सकता है । जब पीएचपीजी को पीएचपीजीडीएस में परिवर्तित किया जाता है केवल तभी इसका प्रयोग अमोक्सीलीन इत्यादि के उत्पादन में किया जाता है । यह परिवर्तन या तो पीएचपीजी/पीएचपीजीडीएस के विनिर्माताओं की ओर से अथवा अंतिम प्रयाक्ता अर्थात् अमोक्सीलीन इत्यादि के उत्पादकों की ओर से किया जा सकता है ।

पीएचपीजी की सभी किस्मों का वर्गीकरण अध्याय शीर्ष 29.42 में किया गया है । आईटीसी आठ अंकीय वर्गीकरण के अनुसार, पीएचपीजी बस का वर्गीकरण अन्य श्रेणी अर्थात् 2942.0029 में किया गया है । यह जांच उस वर्गीकरण पर विचार किए बिना विचाराधीन उत्पाद के खिलाफ है जिसके तहत उनका आयात किया जाता है । सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और वे किसी भी तरह से वर्तमान जांच के दायरे पर बाध्यकारी नहीं हैं ।

याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है कि उनके द्वारा उत्पादित वस्तु संबद्ध देश के मूल की अथवा वहां से निर्यातित वस्तु के समान है। जाँच में किसी हितबद्ध पक्ष ने विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु की परिभाषा के संबंध में कोई विवाद नहीं उठाया है। अतः प्राधिकारी ने यह निर्धारित किया है कि आयात की जा रही वस्तु विचाराधीन उत्पाद के समान वस्तु है। जहाँ तक निर्यातक के इस अनुरोध का संबंध है कि पीएचपीजी के बजाय पीएचपीजीडी के संबंध में मूल्यांकन अधिक यथार्थ हो सकता है क्योंकि निर्यातक की समग्र बिक्री वास्तव में पीएचपीजीडीएस के रूप में है और भारत से भिन्न देशों का पीएचपीजी की बिक्रियां भारत में हाने वाली बिक्रिया से अपेक्षाकृत कम हैं, प्राधिकारी ने यह पाया है कि जांच अवधि के दौरान किसी तीसरे देश को मैसर्स केनेका का पीएचपीजी की बिक्रियां उनकी कुल बिक्रियों का लगभग 15% हैं। इसके अलावा, पीएचपीजीडीएस, पीएचपीजी के समान वस्तु बिल्कुल नहीं है क्योंकि यह दूसरे चरण का उत्पाद है और यह वाणिज्यिक तथा तकनीकी रूप से संबद्ध वस्तु का प्रतिस्थापन नहीं कर सकता है। इसलिए प्राधिकारी ने पीएचपीजी की सूचना पर केवल सभी तुलनाओं के प्रयोजनार्थ विचार किया है।

(च) घरेलू उद्योग

8. यह याचिका मैसर्स दौराला आर्गेनिक्स लि०, दौराला, मेरठ, उत्तर प्रदेश द्वारा दायर की गई है याचिकाकर्ता भारत में संबद्ध वस्तु का एक मात्र उत्पादक है। याचिकाकर्ता उपरोक्त नियमावली के नियम 5(3) (क) के अनुसार घरेलू उद्योग की आर स याचिका दायर करने के आधार के मापदण्ड का पूरा करता है।

(छ) सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन

9. धारा 9 के (1) (ग) के अन्तर्गत किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का अर्थ है :-

- (i) व्यापार के सामान्य रूप में मिलती-जुलती वस्तुओं का तुलनात्मक मूल्य जबकि यह निर्यातक देश या क्षेत्र में उपभोग के लिए हो, जिसका निर्धारण उप-धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार किया जाए; या
- (ii) जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार के सामान्य रूप में मिलती-जुलती वस्तुओं की कोई बिक्री न हो, या निर्यातक देश अथवा क्षेत्र के घरेलू बाजार में विशेष बाजार स्थिति के कारण कम बिक्री की गई हो, तब सामान्य मूल्य इनमें से कोई एक होगा :-

(क) निर्यातक देश या क्षेत्र या किसी उपयुक्त तीसरे देश से निर्यात किए जाने पर मिलती-जुलती वस्तुओं का तुलनात्मक प्रतिनिधि मूल्य, जिसका निर्धारण उप-धारा (6) के अन्तर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार किया जाएगा, या

(ख) प्रशासनिक लागतों, बिक्री-लागतों और सामान्य लागतों एवं लाभों के लिए उचित राशि जोड़ते हुए उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत, जिसका निर्धारण उप-धारा (6) के अन्तर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार किया जाएगा"

बशर्ते कि ऐसे मामले में, जहाँ वस्तु का आयात उद्गम वाले देश से भिन्न किसी अन्य देश से किया गया हो तथा जहाँ वस्तु को निर्यात वाले देश से केवल वाहनान्तरित किया गया है, या निर्यात वाले देश में ऐसी वस्तु का उत्पादन नहीं किया गया है या निर्यात वाले देश में कोई तुलनात्मक कीमत नहीं है तब सामान्य मूल्य का निर्धारण उद्गम वाले देश में इसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

10. चीन जनवादी गणराज्य

प्राधिकारी ने धारा 9क (1) (ग) के अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ सभी ज्ञात निर्यातकों का प्रश्नावली भजी थी। चीन जनवादी गणराज्य के केवल एक निर्यातक अर्थात् मैसर्स हंगडियन ने प्राधिकारी को उत्तर दिया है। यह देखा गया है कि मैसर्स हंगडियन ने निर्धारित प्रपत्र में पूरी सूचना नहीं दी है। जा सूचना प्रस्तुत की गई है वह बिना अग्रेशन पत्र के एक सादे कागज पर, रबड़ की मुहर पर अहस्ताक्षरित है। प्राधिकारी ने यह पाया है कि प्रस्तुत सूचना एकदम अधूरी और हस्ताक्षर के अभाव में अविश्वसनीय है। इसलिए प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ अस्वीकार की जाती है। अतः प्राधिकारी का यह मानना है कि चीन के किसी भी निर्यातक ने नियमों के प्रावधानों के अनुसार प्राधिकारी को सहयोग नहीं दिया है। घरेलू उद्योग ने परिकल्पित उत्पादन लागत के आधार पर चीन में सामान्य मूल्य के बारे में सूचना प्रस्तुत की है। चीन के निर्यातक के असहयोग का ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने नियम 6(8) अर्थात् उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना के आधार पर चीन में सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है।

निर्यात कीमत

जैसाकि ऊपर स्पष्ट किया गया है सबद्ध वस्तु के लिए कोई निर्धारित सीमाशुल्क वर्गीकरण नहीं है क्योंकि यह अन्य श्रेणी में वर्गीकृत है। तदनुसार भारत में निर्यात कीमत सीमाशुल्क दैनिक सूचियों से संकलित आकड़ों के आधार पर निकाली गई है। निम्न निर्यात कीमत निकालने के लिए

घरेलू उद्योग के दावे के आधार पर भाड़ा, समुद्री बीमा, कमीशन, पत्तन हैंडलिंग इत्यादि के लिए समायोजनों की व्यवस्था की गई है।

(ज) पाटन मार्जिन

11. सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम और पाटनरोधी नियमों में यथानिर्धारित सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के निर्धारण को शासित करने वाले सिद्धांतों का विस्तृत विवरण नियमावली के अनुबंध-1 में दिया गया है। उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना के आधार पर चीन के लिए सामान्य मूल्य अमरीकी डालर प्रति मी० टन बनता है। इसी प्रकार के मापदण्डों के आधार पर और समायोजनों की अनुमति देने पर निवल कारखानागत निर्यात कीमत अमरीकी डालर प्रति मी० टन बनती है। चीन ज० ग० के लिए सबद्धवस्तु के निर्यात के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण प्राधिकारी द्वारा अमरीकी डालर प्रति कि० ग्रा० अथवा निर्यात कीमत का 97.20% पर किया गया है।

12. सिंगापुर

मैसर्स कनेका सिंगापुर कं० (पीटीई) लि०

(क) सामान्य मूल्य

निर्यातक ने दावा किया है कि उन्होंने सबद्ध वस्तु की बिक्री घरेलू बाजार में नहीं की है। लेकिन उन्होंने तीसरे देशों को की गई संबद्ध वस्तु की बिक्रिया का माह-वार ब्यौरा दिया है। तीसरे देशों में दावा की गई औसत बिक्री प्राप्ति अमरीकी डालर प्रति कि० ग्रा० है। यह देखा गया है कि तीसरे देशों का निर्यात की मात्रा कुल बिक्री का लगभग 15% है। प्राधिकारी ने प्रश्नावली के अपने उत्तर में मैसर्स कनेका द्वारा किए गए दावे के अनुसार उत्पादन लागत की जांच की है ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि बिक्रिया व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में की गई हैं अथवा नहीं। यह देखा गया है कि कम्पनी ने प्रश्नावली में निर्धारित दंग और प्रपत्र में उत्पादन लागत का ब्यौरा नहीं दिया है। इसके अलावा, लागत के ब्यौरों में कच्ची सामग्रियों की लागत समेत विभिन्न लागत तत्वों का अलग-अलग ब्यौरा नहीं दिया गया है।

प्राधिकारी ने पाया है कि भारत से भिन्न देशों का किए गए निर्यात की मात्रा अधिक नहीं है और किसी उपयुक्त तीसरे देश को किया गया निर्यात प्रतिनिधिक नहीं होगा। प्राधिकारी समान वस्तु से संबंधित पैरा में यह स्पष्ट कर चुके हैं कि पीएचपीजीडीएस के आधार पर तुलना करने के निर्यातक के अनुरोध नहीं माना जा सकता है क्योंकि वे समान वस्तुएं नहीं हैं।

इस स्थिति में प्राधिकारी के पास सम्बद्ध देश में सम्बद्ध वस्तु के उत्पादन की लागत पर विचार करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। निर्यातक द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के आधार पर निर्यातक के लिए उत्पादन की लागत का निर्धारण करते समय प्राधिकारी यह पाते हैं कि निर्यातक ने निर्धारित प्रपत्र में यथा-अपेक्षित सम्बद्ध वस्तु के उत्पादन की लागत के विस्तृत ब्यौरे उपलब्ध नहीं कराए हैं। उत्पादन की लागत से संबंधित सूचना में और सूचना/स्पष्टीकरण देने की आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त, निर्यातक ने जांच अवधि के लिए तुलना पत्र और लाभ एवं हानि के लेख भी उपलब्ध नहीं कराए हैं। निर्यातक ने जून, 2001 को समाप्त वर्ष के लिए तुलना पत्र और लाभ एवं हानि के ऐसे लेख उपलब्ध कराए हैं जिनकी लेखा-परीक्षा नहीं कराई गई है। निर्यातक द्वारा उपलब्ध कराए गए लाभ एवं हानि के लेखों में अनेक व्यय खाता शीर्षों के ब्यौरे नहीं दिए गए हैं और तदनुसार परिशिष्ट 8 और 10 में समेकित आंकड़े उपलब्ध कराए हैं।

निर्यातक ने परिशिष्ट-7 के अनुसार अपेक्षित सम्पूर्ण सूचना उपलब्ध नहीं कराई है और इसके अलावा सम्बद्ध वस्तु के लिए परिशिष्ट-8 और 10 में प्रस्तुत की गई सूचना भी निर्धारित प्रपत्र के अनुसार नहीं है। निर्यातक ने उल्लेख किया है कि प्रस्तुत की गई लागत सूचना जांच अवधि के लिए है लेकिन जांच अवधि के लिए इसके समर्थन में अन्तिम लेखाओं का अभाव में यह प्रतीत होता है कि प्रस्तुत की गई सूचना जून, 2001 को समाप्त वर्ष के लिए लेखा-परीक्षा नहीं किए गए वित्तीय लेखाओं पर आधारित है। आगे यह भी पाया गया कि निर्यातक ने प्रश्नावली के जवाब का अगोपनीय सारांश निर्धारित प्रपत्र में उपलब्ध नहीं कराया है।

सम्बद्ध वस्तु की कोई घरेलू बिक्री, उपयुक्त तृतीय देशों का प्रतिनिधिक निर्यातों संबंधी सूचना का अभाव में और अपर्याप्त तथा अविश्वसनीय लागत सूचना के कारण प्राधिकारी ने नियम 6(8) अर्थात् सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर कार्रवाई की है और घरेलू उद्योग के दावों के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है।

तदनुसार, प्राधिकारी द्वारा निर्धारित सामान्य मूल्य यूएस डालर प्रति किग्रा 0 बनता है।

(ख) निर्यात कीमत:

निर्यातक ने भारत को किग्रा0 पीएचपीजी का निर्यात किया है जिसका कुल मूल्य यूएस डालर है । तदनुसार, जांच अवधि के दौरान पीएचपीजी की औसत निर्यात कीमत ... यूएसए प्रति किग्रा0 बनती है । निर्यातक ने भारत में कारखानागत निर्यात कीमत निकालने के लिए छूट, स्वदेशी भाड़ा, बीमा, समुद्री भाड़ा, विदेशी बीमे इत्यादि के कारण समायोजनों का दावा किया है । इसी पर विचार करते हुए भारत को की गई निर्यात बिक्रियों के लिए कारखानागत कीमत यूएस डालर/किग्रा0 का दावा किया गया है ।

सिंगापुर के मै0 केएससी के मामले में पाटनमार्जिन प्राधिकारी द्वारा ... यूएस डालर प्रति किग्रा0 अथवा निर्यात कीमत का 54.32% आका गया है ।

13. सिंगापुर के अन्य निर्यातक

प्राधिकारी ने ऊपर उल्लिखित धारा के अनुसरण में सिंगापुर के ज्ञात निर्यातकों का जांच के लिए अनिवार्य सूचना और अन्य टिप्पणियाँ, यदि कोई हों, प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया । प्राधिकारी ने भारत में सिंगापुर के उच्चायोग को भी लिखा । तथापि, सिंगापुर के किसी अन्य निर्यातक ने सूचना के लिए प्राधिकारी के अनुरोध का जवाब नहीं दिया है । सामान्य मूल्य के निर्धारण के संबंध में याचिकाकर्ता द्वारा किए गए दावों पर भी किसी अन्य हितबद्ध पार्टी (यों) द्वारा आपत्ति नहीं की गई है । इसलिए प्राधिकारी ने नियम 6(8) अर्थात् सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर कार्रवाई की है ।

प्राधिकारी ने अन्य निर्यातकों के सामान्य मूल्य का निर्धारण सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना अर्थात् घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर किया है । अन्य निर्यातकों के मामले में निर्यात कीमत पर विचार सिंगापुर के सहयोगी निर्यातक की न्यूनतम निर्यात कीमत के आधार पर किया गया है ।

इस प्रकार, सिंगापुर के पीएचपीजी के गैर-सहयोगी/अन्य निर्यातकों के मामले में पाटन मार्जिन का निर्धारण प्राधिकारी द्वारा ... यूएसए डालर प्रति किग्रा0 अथवा 67.78% किया गया है ।

अ. क्षति

14. उपरोक्त नियम-11, अनुबंध-॥ के तहत जब क्षति के बारे में किसी निष्कर्ष पर पहुँचा जाता है तो इस प्रकार के निष्कर्ष में ".....पाटित आयातों की मात्रा घरेलू बाजार में समान वस्तुओं की कीमतों पर उनके प्रभाव तथा इस प्रकार की वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत तथ्यों पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग का हुई क्षति का निर्धारण शामिल होगा। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय यह जांच करना आवश्यक समझा जाता है कि पाटित आयातों के कारण भारत में समान वस्तुओं की कीमत की तुलना में कोई उल्लेखनीय गिरावट आई है अथवा नहीं अथवा क्या इस प्रकार के आयातों से कीमत में कोई अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक गिरावट आयी है, अथवा कीमत वृद्धि में अन्यथा रूकावट आयी है या कि अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक बढ़ गई होती।

अ. क्षति का संचयी मूल्यांकन

15. नियमावली के अनुबंध-॥ के नियम (iii) के अनुसार यह अपेक्षित है कि एक से अधिक दशों से किसी उत्पाद के आयातों के मामले में जब पाटनरोधी जांच एक साथ की जा रही है तो प्राधिकारी इस प्रकार के आयातों का संचयी रूप से आंकलन करेगा। तथापि, इस प्रकार का आंकलन तभी किया जा सकता है जब यह निर्धारित हो जाए कि प्रत्येक देश से आयात के संबंध में पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त 2 प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से हुए आयातों की मात्रा भारत में समान वस्तु के आयात का 3 प्रतिशत है अथवा जहाँ प्रत्येक देश का निर्यात 3 प्रतिशत से कम है वहाँ संचयी रूप से आयात समान वस्तु के आयातों का 7 प्रतिशत से अधिक बनता है, और आयातों के प्रभाव का संचयी आंकलन, आयातित वस्तु तथा समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों की दृष्टि से उचित है।

प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटन मार्जिन तथा संबद्ध देश से हुए आयातों की मात्रा ऊपर निर्धारित सीमाओं से अधिक है। चीन जनवादी गणराज्य और सिंगापुर के आयातों के प्रभाव का संचयी आंकलन उचित है क्योंकि इन देशों की निर्यात कीमत भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा दी गयी कीमतों से प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धा कर रही हैं और यहाँ घरेलू उत्पादकों का विस्थापित कर रही हैं।

16. भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए उक्त नियमावली के अनुबंध-॥ (iv) के अनुसरण में प्राधिकारी ने एस संकेतकों पर विचार किया गया है जो उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालते हों जैसे उत्पादन, क्षमता का उपयोग, बिक्री की मात्रा, भंडार, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की मात्रा और मार्जिन इत्यादि।

17. घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दर्शाने वाले विभिन्न मापदण्ड निम्नानुसार हैं :-

(क) आयातों की मात्रा और निर्यात कीमत

सम्बद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा के संबंध में सूचना सीमाशुल्क दैनिक सूचियों से आकलित आंकड़ों पर आधारित हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि जाच अवधि के दौरान 1999-2000 की तुलना में सम्बद्ध देशों से सम्बद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा में 36.77% की वृद्धि हुई है। इसके अतिरिक्त जाच अवधि के दौरान 1999-2000 की तुलना में सम्बद्ध देशों से औसत निर्यात कीमत में भी गिरावट आई है।

(ख) भारतीय उत्पादकों के बाजार हिस्से में परिवर्तन और सम्बद्ध देश (1) से आयात

प्राधिकारी यह पाते हैं कि मै0 डीओएल भारत में सम्बद्ध वस्तु के विनिर्माण में नया प्रवेशी है और सम्बद्ध देशों के निर्यातकों की मशा भारत में सम्बद्ध वस्तु का पाटन करना है ताकि यह सुनिश्चित हो सक कि घरेलू उद्योग को कोई बाजार हिस्सा न मिल और साथ ही इस उद्योग स्थापना को इसकी प्रारंभिक अवस्था में ही वित्तीय रूप से रोक दिया जाए।

(ग) याचिकाकर्ता का उत्पादन और क्षमता उपयोग:

जाच अवधि के दौरान याचिकाकर्ता ने अपन स्थापित क्षमता के उपयोग का केवल 32% उपयोग ही प्राप्त किया है। देश में मांग को ध्यान में रखते हुए यह घरेलू उद्योग द्वारा प्राप्त किए जा सकने वाले उपयोग से काफी कम है।

(घ) बाजार हिस्से में अपर्याप्त उपलब्धि

घरेलू उद्योग प्रारंभिक अवस्था में है, इस प्रकार कोई पूर्व प्रवृत्तिया उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन घरेलू उद्योग देश में सम्बद्ध वस्तु की काफी मांग होने के बावजूद सम्बद्ध देशों से हुए पाटित आयातों के कारण अपनी बिक्री मात्रा को बढ़ाने में असमर्थ रहा है।

(ङ.) बिक्री कीमत में कमी, कीमत में गिरावट, कीमत में कटौती, कीमत में कमी अथवा कीमत ह्रास:

घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत पर पाटित आयातों के प्रभाव का विश्लेषण करने का उद्देश्य से सम्बद्ध वस्तु की मासिक बिक्री प्राप्ति का निम्नानुसार विश्लेषण किया गया है:-

अवधि	बेची गई मात्रा/किग्रा	निवल बिक्री प्राप्ति (रु०/किग्रा.)
अप्रैल, 2001
मई, 2001
जून, 2001
जुलाई, 2000

अगस्त, 2001

सितम्बर, 2001

उपरोक्त सारणी दर्शाती है कि जांच अवधि के दौरान मासिक औसत बिक्री प्राप्ति अप्रैल, 2001 के दौरान हुई रूपए/किग्रा० से गिरकर सितम्बर, 2001 के दौरान रूपए/किग्रा० हो गई है, जो स्वयं जांच अवधि के भीतर ही गिरावट दर्शाती है। यह मुख्यतः घरेलू उद्योग द्वारा वाणिज्यिक उत्पादन आरम्भ करने के पश्चात निर्यातकों द्वारा औसत आयात कीमत में की गई कमी के कारण हुई है।

(च) गवाई गई सावदाआ अथवा गिरता हुआ बिक्री का साक्ष्य:

यह देखा गया है कि निर्यातकों द्वारा निर्यात कीमत में तीव्र गिरावट के कारण घरेलू उद्योग उन कीमतों पर संविदाएँ/आदेश नहीं प्राप्त कर सका जिस कीमत पर लगाई गई पूंजी पर एक उचित लाभ का तो प्रश्न ही नहीं है यह उत्पादन की लागत भी वसूल नहीं कर सका। याचिकाकर्ता सम्बद्ध वस्तु को केवल काफी हानि पर ही बेच सकता था।

(छ) रोजगार

घरेलू उद्योग न यह अनुरोध किया है कि चूंकि यह उद्योग अभी प्रारंभिक अवस्था में है, इसलिए अनुचित व्यापार प्रक्रिया में सुरक्षा करना महत्वपूर्ण एवं आवश्यक है अन्यथा इसमें कार्यरत कर्मचारी अपना राजगार खा देंगे

(ज) लाभप्रदता

यह पाया गया है कि घरेलू उद्योग संबद्ध वस्तु की बिक्री निर्यातकों द्वारा प्रस्तावित कीमत के समतुल्य कीमत पर ही कर सका जिसके परिणामस्वरूप भारी हानि हुई है।

18. पाटित आयातों का कीमतों पर पड़ने वाला प्रभाव के बारे में विचार करते समय यह जांच करना आवश्यक समझा जाता है कि आयातों के पाटन से कीमत में भारत में समान वस्तुओं की कीमत की तुलना में कोई उल्लेखनीय गिरावट आई है अथवा नहीं अथवा क्या इस प्रकार के आयातों के प्रभाव से कीमतों का उल्लेखनीय स्तर तक घटाने में मदद मिली है। भारत में, घरेलू उद्योग पर पड़ने वाले प्रभाव की जांच करने के लिए प्राधिकारी ने ऐसे संकेतकों पर विचार किया है जो उद्योग की स्थिति को प्रभावित करते हैं, जैसे उत्पादन, बिक्री, भंडार, लाभप्रदता, शुद्ध बिक्री आय, इत्यादि। साक्ष्य की जांच करने पर यह पाया गया है कि घरेलू उद्योग की प्रायोगिक तौर पर की गई शुरूआत के तुरंत बाद ही कीमत में तेजी से कटौती हुई थी और बाद में जांच अवधि के दौरान इसमें और भी तेजी से गिरावट आई। घरेलू उद्योग के अंतिम स्टॉक में भी वृद्धि हुई और घरेलू उद्योग को अपनी वर्तमान क्षमता का उपयोग करने से रोक रखा गया साथ ही क्षमता उपयोग काफी कम हुआ।

तथापि, प्राधिकारी के पास उपलब्ध साक्ष्य के अनुसार क्षति तथा अगली क्षति होने के भय को बतलाने वाला सर्वाधिक महत्वपूर्ण मापदण्ड कीमत कटौती का साक्ष्य ही है। जांच अवधि के दौरान आयातों में, विशेष रूप से चीन जनवादी गणराज्य से होने वाले आयातों में हुई वृद्धि की दर तथा घरेलू उद्योग की बिक्री प्राप्ति में आई संगत गिरावट की दर ऐसे मापदण्ड हैं जो स्पष्ट रूप से यह दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग को क्षति हुई है। प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर यह निर्धारित किया गया है कि घरेलू उद्योग को जांच अवधि के दौरान क्षति हुई है और आगे और क्षति होने का भय है।

19. वर्तमान याचिका मुख्य रूप से पाटित आयातों के प्रभाव के बारे में है जिसके कारण उद्योग की स्थापना में वास्तविक ह्रास हो रहा है। चूंकि याचिकाकर्ता अपने उत्पादन का निपटान भारतीय बाजार में करने का प्रयास कर रहा है और संबद्ध देशों से होने वाले आयात के कारण घरेलू उद्योग के उत्पादन के वाणिज्यिकरण में रूकावट आ रही है, इसलिए आयातों के कारण उद्योग की स्थापना में वास्तविक ह्रास हो रहा है। हालांकि इस "नए उद्योग" अर्थात् मै0 दौराला आर्गेनिक्स लि0 ने हाल ही में उत्पादन शुरू किया है तथापि, इस उद्योग को बाजार में अपना स्थान अभी बनाना है। घरेलू उद्योग क्षमता उपयोग के एक संतोषजनक स्तर को प्राप्त करने तथा बाजार में अपना स्थान बनाने में असमर्थ है क्योंकि अपने प्रारम्भिक चरण में ही घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से पाटित कीमत पर होने वाले आयातों से वास्तविक ह्रास होने का खतरा हो रहा है।

ट. कारणात्मक संबंध

- 20 इस बात का निर्धारण करने के लिए कि क्या घरेलू उद्योग को पाटित आयातों के कारण क्षति (वास्तिक/खतरा/वास्तविक ह्रास) हुई थी, प्राधिकारी ने निम्नलिखित तथ्यों का ध्यान में रखा है:-
- (i) चीन जनवादी गणराज्य तथा सिंगापुर से पाटित कीमतों पर संबद्ध वस्तु के भारी आयात के कारण घरेलू उद्योग को अपना उत्पादन अलाभकारी कीमत पर बेचने के लिए बाध्य होना पड़ा जिसके परिणामस्वरूप भारतीय बाजार में कीमत कटौती की स्थिति उत्पन्न हुई है।
 - (ii) चीन जनवादी गणराज्य तथा सिंगापुर से हुए आयातों के कारण भारतीय बाजार में इस उत्पाद की कीमत इस हद तक कम हो गई कि घरेलू उद्योग द्वारा भारत में संबद्ध वस्तु की बिक्री से अपने उत्पादन की पूरी लागत तथा एक उचित लाभ प्राप्त नहीं किया जा सका।

21. इसलिए प्राधिकारी उपरोक्त तथ्यों से यह बात नाट करतें हैं कि संबंधित देशों से आयात घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों से कम कीमतों पर हुआ है। इसके अलावा, भारत में जा आयात हुआ है वह घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमतों से कम कीमतों पर हुआ है इसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को वित्तीय नुकसान उठाना पड़ रहा है। याचिकाकर्ता को अपने क्षमता उपयोग के स्तर को बढ़ाने से भी रोका गया था। य मापदण्ड संयुक्त एवं संचयी रूप से यह स्पष्ट करते हैं कि पाटित आयातों की वजह से याचिकाकर्ता को वास्तविक क्षति पहुँची है।

ठ. भारतीय उद्योग के हित

22. सामान्यतः पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य उस पाटन को कम करना है जो घरेलू उद्योग का क्षति पहुँचा रहा है और नये सिरे से भारतीय बाजार में एक खुली एवं निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा की स्थिति को कायम करना है जो देश के आम हित में हो।
23. प्राधिकारी यह मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्कों को लगाने से संबद्ध समान का उपयोग करतें हुए उत्पादित वस्तुओं के मूल्य स्तर पर प्रभाव पड़ सकता है और परिणामतः इन उत्पादों की सापेक्ष प्रतिस्पर्धा पर भी कुछ प्रभाव पड़ सकता है। तथापि, पाटनरोधी कार्रवाई द्वारा भारत में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी। इसके विपरीत, पाटनरोधी कार्रवाई से होने वाले पाटन के अनुचित फायदे खत्म होंगे, घरेलू उद्योग का ह्रास रुकेंगा तथा संबद्ध वस्तु के उपभोक्ता के लिए व्यापक विकल्प की उपलब्धता में मदद मिलेगी। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी उपायों से चीन जनवादी गणराज्य तथा सिंगापुर से होने वाले आयातों में किसी तरह की कोई कमी नहीं आएगी और इसलिए इससे उपभोक्ताओं को इस उत्पाद की उपलब्धता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। उपभोक्ता अब भी दो या इससे अधिक आपूर्ति के स्रोत रख सकेंगे।

ड. निष्कर्ष

24. पूर्वोक्त बातों पर विचार करने के बाद प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुँचतें हैं कि:-
- (i) चीन जनवादी गणराज्य तथा सिंगापुर से डी (-) पारा हाइड्रोक्सी फिनाइल ग्लाइसिन बेस का भारत को निर्यात इसके सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर किया गया है,
 - (ii) भारतीय उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है और इससे क्षति होने का खतरा है;
 - (iii) क्षति होने के कारण घरेलू उद्योग को डी (-) पारा हाइड्रोक्सी फिनाइल ग्लाइसिन बेस का विनिर्माण हेतु नए उद्योग स्थापित करने में वास्तविक ह्रास हो रहा है,

(iv) संबद्ध देशों से हुए आयातों के कारण संचयी रूप से क्षति हुई है ।

25. प्राधिकारी यह आवश्यक मानते हैं कि घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को समाप्त करने के लिए अंतिम निर्धारण होने तक संबद्ध देश से होने वाले डी (-) पारा हाइड्रोक्सी फिनाइल ग्लाइसिन बेस के सभी आयातों पर अनंतिम रूप से पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए । प्राधिकारी द्वारा निर्धारित पाटन मार्जिन का उपरोक्त पैराग्राफो में दर्शाया गया है । प्राधिकारी पाटन मार्जिन के बराबर अथवा उससे कम के पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश करने का प्रस्ताव करते हैं जिसे यदि लगाया जाता है तो उससे घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति समाप्त हो जाएगी । क्षति के निर्धारण के प्रयोजनार्थ आयातों के पहुँच मूल्य की तुलना जाँच अवधि के दौरान निर्धारित याचिकाकर्त्ता कम्पनी की क्षति रहित कीमत से करने का प्रस्ताव है ।
26. तदनुसार, प्राधिकारी यह सिफारिश करते हैं कि अनंतिम निर्धारण होने तक चीन तथा सिंगापुर के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित डी (-) पारा हाइड्रोक्सी फिनाइल ग्लाइसिन बेस, जिसे डी (-) अल्फा पारा हाइड्रोक्सी फिनाइल ग्लाइसिन, डी (-) अल्फा पारा हाइड्रोक्सी फिनाइल ग्लाइसिन बेस, डी (-) पारा हाइड्रोक्सी फिनाइल ग्लाइसिन, पारा हाइड्रोक्सी फिनाइल ग्लाइसिन बेस, डी (-) पी - हाइड्रोक्सी फिनाइल ग्लाइसिन बेस, डी (-) पी - हाइड्रोक्सी फिनाइल ग्लाइसिन के नाम से भी जाना जाता है और जो सीमाशुल्क शीर्ष 2942 के अंतर्गत आता है, के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से अनंतिम रूप से पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए । पाटनरोधी शुल्क की राशि निम्नलिखित सारणी के कॉलम 3 में उल्लिखित राशि तथा आयातों के प्रति किग्रा० पहुँच मूल्य के बीच का अंतर होगा जिसे नीचे उल्लिखित देशों के मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तु, जो सीमाशुल्क टैरिफ के अध्याय 29 के अंतर्गत आती है, के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से लगाया जाएगा:-

क्र.सं	निर्यातक/देश	राशि (अमरीकी डालर प्रति किग्रा०)
1	2	3
क	चीन जनवादी गणराज्य	
	सभी निर्यातक	24.83
ख	सिंगापुर	
	(1) मै० कनेका सिंगापुर कं० (पी टी ई) लि०. सिंगापुर	24.83
	(2) सिंगापुर के अन्य निर्यातक	: 24.83

27 इस उद्देश्य के लिए आयातों का पहुँच मूल्य, सीमाशुल्क अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3 ए, 8 बी, 9 तथा 9 ए के तहत लगाए गए सीमाशुल्क को छोड़कर सभी प्रकार के शुल्कों सहित सीमाशुल्क अधिनियम 1962 के अधीन सीमाशुल्क द्वारा निर्धारण योग्य मूल्य होगा।

ढ आगे की प्रक्रिया

28 प्रारंभिक जांच परिणाम को अधिसूचित करने के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाएगी:-

- (क) प्राधिकारी सभी इच्छुक पार्टियों से इन जांच परिणामों पर टिप्पणियाँ आमंत्रित करते हैं और उन पर अंतिम जांच परिणाम निकालते समय विचार किया जाएगा,
- (ख) प्राधिकारी द्वारा निर्यातकों, आयातकों, याचिकाकर्त्ता तथा अन्य इच्छुक पार्टियों को अलग से लिखा जा रहा है जो प्रारंभिक जांच परिणाम की तारीख से 40 दिनों के अंदर अपने विचार प्रस्तुत कर सकते हैं। कोई दूसरी इच्छुक पार्टी भी अपने विचार इन जांच परिणामों के प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों के भीतर दे सकती है;
- (ग) प्राधिकारी, सभी इच्छुक पार्टियों को मौखिक विचार व्यक्त करने का अवसर प्रदान करेगा, जो तत्पश्चात् लिखित रूप में देना होगा।
- (घ) प्राधिकारी आवश्यक सीमा तक आगे फिर सत्यापन करेगा;
- (ङ.) अंतिम जांच परिणामों की घोषणा करने से पहले प्राधिकारी आवश्यक तथ्यों का प्रकट करेगा।

एल. बी. मन्तव्य, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****DIRECTORATE GENERAL OF ANTI DUMPING AND ALLIED DUTIES****NOTIFICATION**

New Delhi, the 31st December, 2001

PRELIMINARY FINDINGS

Subject:- Anti-dumping investigation concerning imports of D (-) Para Hydroxy Phenyl Glycine Base originating in or exported from the China PR and Singapore- Preliminary Findings,

No. 51/1/2001-DGAD— Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof;

A. PROCEDURE:

2. The procedure described below has been followed:-
 - (i) The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the above Rules, received a written petition from M/s Daurala Organics Limited, Daurala, Meerut, U.P. on behalf of the domestic industry, alleging dumping of D (-) Para Hydroxy Phenyl Glycine Base also known as PHPG Base (hereinafter referred to as subject goods) originating in and exported from China PR and Singapore (hereinafter referred to as subject countries)
 - (ii) The Authority notified the Embassy of China PR and High Commission of Singapore in India about the receipt of dumping application made by the petitioner before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 *supra*;
 - (iii) The Authority issued a Public Notice dated 1st October, 2001 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti dumping proceedings concerning imports of D (-) Para Hydroxy Phenyl Glycine Base falling under Chapter heading 2942 of Schedule I of the Customs Tariff Act.
 - (iv) The Authority forwarded copy of the said public notice to the known exporters, importers, industry associations and to the complainant and gave them an opportunity to make their views known in writing.
 - (v) According to sub-rule (3) of Rule 6 *supra*, the Authority provided a copy of the petition to all the known exporters and Diplomatic Missions of subject countries in India.

- (vi) The Authority sent questionnaires, to elicit relevant information, to the following known exporters from China PR and Singapore:

CHINA PR:

- ♦ M/s Tianjin Xiquing Guanghui Chemical Plant, Tianjin, China.
- ♦ M/s Wujin Niutang Chemical Plant, Jiangsu, China.
- ♦ M/s Hengdian Group Organic Chemical Co. Ltd., Zhejiang, China
- ♦ M/s Taixing Yangtzi Pharmaceutical & Chemical Plant, Jiangsu, China.

SINGAPORE:

- ♦ M/s. Kaneka Singapore Co. (PTE) Ltd., Singapore.

M/s. Kaneka Singapore Co. (PTE) Ltd., Singapore and M/s Hengdian Group Organic Chemical Co. Ltd., Zhejiang, China, have responded to the questionnaire.

- (vii) The Embassy of China PR and High Commission of Singapore in New Delhi was also informed about the initiation of investigation and requested to advise the exporters/producers from their countries to respond to the questionnaire within the prescribed time;
- (viii) The questionnaire was sent to the following known users/importers of subject goods:-
- ♦ M/s. Aurbindo Pharma Ltd, Hyderabad.
 - ♦ M/s. Lupin Laboratories Ltd., Mumbai.
 - ♦ M/s. Kopran Drugs Ltd., Raigad.
 - ♦ M/s. Sueya Pharmaceutical Ltd., Chandigarh.
 - ♦ M/s. Torrent Gujarat Biotech Ltd, Ahamedabad.
 - ♦ M/s. Ranbaxy Laboratories Ltd, New Delhi.
 - ♦ M/s. Tini Pharma Limited, Mumbai.

None of the users/importers except for M/s. KDL Biotech Ltd., Raigad have responded to the questionnaire.

- (ix) Additional information regarding injury was sought from the petitioner, which was also furnished;
- (x) The Authority kept available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties;
- (xi) **** in this notification represents information furnished by the interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules;

- (xii) The investigation covered the period from 1st April 2001 to 30th September 2001;
- (xiii) Copies of initiation notice were also sent to FICCI, CII, ASSOCHAM etc., for wider circulation

B. PETITIONER'S VIEWS:

3. The petitioner, M/s Daurala Organics Ltd, has made the following points in their submissions: -

- (i) PHPG Base has started coming into India from China PR from end 1999. First consignment of very small quantity has landed into India in Feb, 99. But since Feb, 2001 almost at the time when domestic industry was planning to start its commercial production China has started dumping the subject goods at very low prices which still continues just to kill domestic industry at its nascent stage. From Singapore imports have been coming for last many years. They have also started reducing prices after the entry of China resulting into dumping.
- (ii) The month wise imports statistics shows that exporters from China PR are reducing prices sharply basically during period of investigation, which in their opinion can not recover even variable cost on international prices. The target of the exporters is just to kill the domestic industry at its nascent stage because as per their information China PR has created additional capacities of the product which has resulted into surplus capacities in China PR. Exporter from China PR has given offers to the Indian customers in the month of July and August which is as 12.5 US\$ per kg. It has been further claimed by the petitioner that exporters are also offering discounts ranging 1.00 to 1.50 US\$ as quality discount which is not reflected in CIF value but it is adjusted later on by raising Credit Note.
- (iii) To retain their market in India, Singapore exporters are also reducing their prices resulting into dumping. Though the volumes from Singapore have come down (basically taken over by China PR), exporters from Singapore also started dumping in India, resulting injury to domestic industry.
- (iv) The petitioner has submitted that in the recent amendment made under Customs Notification No.28/2001 (N.T.) dated 31st May 2001 China has been declared as non-market economy. Accordingly they have submitted constructed normal value as an indicator of normal value in China PR.
- (v) The petitioner has stated that they have tried to get the Normal Value information from Singapore Trade Development Board and accordingly written a letter to them for home price of the subject goods in Singapore. They have also written to them to

provide third country exports in case there is no domestic sales. As per reply separate exports data for the subject goods to third country was not available and as per petitioner sources there is no domestic sales of subject goods, Accordingly the petitioner has claimed that the only option left for the Normal Value is Constructed Normal Value.

- (vi) The exporters from China PR and Singapore are dumping the subject goods in India. Annexure II (iii) to the Anti Dumping Rules provide that in case imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti dumping investigations, the Designated Authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that
 - (a) The margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent of the imports of the like article or where the export of the individual countries less than three percent, the imports cumulatively accounts for more than seven percent of the imports of like article, and;
 - (b) Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.
 - (c) The margins of dumping from each of the subject countries are more than the limits prescribed above.
 - (d) The quantum of imports from each of the subject country is more than the de-minimus limit. Cumulative assessment of the effects of imports is appropriate since the export from the subject countries directly compete with the goods offered by the domestic industry in the Indian market. Accordingly, the petitioner has requested that injury to the domestic industry should be assessed cumulatively from the subject countries
- (vii) The present petition is against material retardation of the establishment of the industry. Since the petitioner is attempting to settle its commercial production in the Indian market and the imports from the subject countries are preventing commercialisation of the production by the domestic industry, the imports are causing material retardation to the establishment of the industry. Though, the "nascent industry" i.e. M/s DOL has started commercial production the industry has yet to find its place in the market. Domestic Industry is unable to achieve a satisfactory level of capacity utilisation and find its place in the market. Further, at nascent stage of production, it is being threatened with material injury by the exports from the subject countries.

- (viii) The petitioner has claimed that the technology employed by it is comparable to the technology being used by the other producers in the world. Factors such as trade restrictive practices and competition between the foreign and domestic producers, developments in technology, the export performance or the productivity of the domestic industry have not caused injury to the domestic industry.
- (ix) Sharp increase in imports of subject goods at dumped prices has prevented the domestic industry not only to get its normal selling price but also prevented the domestic industry to remain in the market. The domestic industry has suffered huge losses at its nascent stage itself, in spite of a growing demand. Dumped imports from subject countries is the only reason causing material retardation of the establishment of the industry. Further, at nascent stage of production, the Domestic Industry is being threatened with material injury by the exports at dumped prices from the subject countries.

C. EXPORTERS, IMPORTERS' AND USERS' VIEWS:

4. EXPORTERS:

As stated above only M/s Kaneka Singapore Co. (PTE) Ltd , Singapore and M/s Hengdian Group Organic Chemical Co. Ltd., Zhejiang, China have responded to the questionnaire. M/s Kaneka expressed the following views in their submissions:-

- (a) They produced the product by unique enzymatic method that is different from all other Chinese and Indian producers mentioned in the petition. Their method is conventional chemical method and production cost of enzymatic method is much lower than chemical method.
- (b) Regarding the product in concern, as stated by M/s DOL in the petition, both antibiotics of Amoxycillin and Cefadoroxyl can not be produced directly from PHPG Base but it needs to be converted to more advanced intermediates such as to PHPG DS and our overall sales is actually in the form of PHPG DS. Therefore we include the information of PHPG DS.
- (c) Also because of our sales of PHPG Base to countries other than India is relatively less than those to India, we would presume that the assessment could be more accurate by referring to the data of PHPG DS.
- (d) Whether it is legitimate for M/s DOL to be as petitioner on this subject. We are wondering because, according to DOL's petition, when the dumping from China started, which is February 2001, DOL had not started production yet.

- (e) As per the petition M/s. DOL produces only less than 20MT/month. Accordingly it could be said that DOL's sales quantity is immaterial comparing to quantity of imports and so that so called 'volume effect' factor of casual link is not satisfied.

5. IMPORTERS' AND USERS':

M/S. KDL BIOTECH LIMITED, RAIGARH:

M/s. KDL, one of the importers of the subject goods, has made the following submissions. However they have not submitted information as per the prescribed questionnaire.

- a. Consumption of PHPG Base is approx. 200 MT per month. Th present capacity of M/s Daurala Organics is less than 25 MT per month. Consumption of PHPG Base for sale of AMTH in the local market is higher than what can be locally supplied by the local manufacturer.
- b. This will lead to a monopolistic situation in the future since Daurala is the only manufacturer in India.
- c. The price offered by China is equivalent to what they are offering to other consumers worldwide.
- d. Chinese are supplying PHPG Base into India at prices which are not below their manufacturing costs.
- e. Prima facie this action will adversely affect the Indian Bulk Drug Manufacturing Industries associated with the use of D (-) Para Hydroxy Phenyl Glycine Base and the Methyl Potassium Dane Salt

D. EXAMINATION AND FINDING BY AUTHORITY:

6. The submission made by the domestic industry, exporters and other interested parties have been examined and considered while arriving at these findings and wherever appropriate have been dealt hereinafter.

E. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE:

7. D (-) Para Hydroxy Phenyl Glycine Base is also known as :

D (-) ALPHA PARA HYDROXY PHENYL GLYCINE, D (-) ALPHA PARA HYDROXY PHENYL GLYCINE BASE, D (-) PARA HYDROXY PHENYL GLYCINE, PARA HYDROXY PHENYL GLYCINE BASE, PARA HYDROXY PHENYL GLYCINE, D (-) P – HYDROXY PHENYL GLYCINE BASE, D (-) P – HYDROXY PHENYL GLYCINE.

Petitioner has claimed that predominantly 'D (-) Para Hydroxy Phenyl Glycine Base' (also to be read as per above mentioned synonyms) i.e. the 'subject goods' (herein after also referred as 'PHPG') is imported into India which is converted in-situ to " D (-) Para Hydroxy Phenyl Glycine Methyl Potassium Dane Salt " (herein after referred as 'PHPGDS') by the various importers / manufacturers and used for the production of Amoxycillin and Cefadroxyl. (i.e. bulk drugs).

In other words PHPG cannot be used directly for the production of Amoxycillin etc. It is only when PHPG is converted to PHPGDS, the same is used for the production of Amoxycillin etc. This conversion may either be done at the PHPG / PHPGDS manufacturers' end, or at the users end, i.e. producers of Amoxycillin etc.

All types of PHPG are classified in chapter heading 29.42. As per ITC eight digit classification PHPG Base is classified in others category i.e., in 2942.0029. The investigation is against the product under consideration irrespective of the classification under which it is imported. Customs classification is indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation.

The petitioner has claimed that the goods produced by them is like articles to the goods originating in or exported from subject country. No dispute has been raised on the definition of the product under consideration and like article by any interested party in the investigation. The Authority, therefore, has determined that the goods being imported is like article to the product under consideration.

Regarding exporter submission that assessment could be more accurate on PHPGDS instead of PHPG as exporter's overall sales is actually in the form of PHPGDS and sales of PHPG to countries other than India is relatively less than those in India, the Authority found that PHPG sales of M/s Keneka to the third country during the period of investigation is about 15% of their total sales and moreover PHPGDS is not at all Like Article to PHPG as it is second stage product and can not commercially and technically substitute the subject goods. Hence Authority has considered PHPG information only for the purpose of all comparisons.

F. DOMESTIC INDUSTRY:

8. The petition has been filed by M/s Daurala Organics Limited, Daurala, Meerut, U.P. The petitioner is the sole producer of the subject goods in India. Accordingly, the petitioner satisfies the criteria of standing to file the petition on behalf of the Domestic Industry in terms of Rule 5(3) (a) of the Rules supra.

G. NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN:

9. Under Section 9A(1) (c) normal value in relation to an article means:

- (i) The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
- (ii) When there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either:-
 - (a) Comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
 - (b) The cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6)";

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transhipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

10. **CHINA PR:**

The Authority sent questionnaires to all the known exporters for the purpose of determination of normal value in accordance with Section 9A(1)(c). Only one of the exporters from China PR i.e. M/s. Hengdian Group Organic Chemical Co. Ltd., China P.R. responded to the Authority. It has been observed that M/s. Hengdian Group Organic Chemical Co. Ltd., China P.R. has not furnished the complete information in the prescribed format. The information submitted is without any covering letter, only on plain paper with unsigned rubber stamp. The Authority found that information furnished is grossly inadequate and unreliable in absence of proper signature, hence rejected for the purpose of preliminary findings. The Authority, therefore, holds that none of the exporters from China have cooperated with the Authority as envisaged under the Rules. The domestic industry has furnished information with regard to the normal value in China based on the constructed cost of production. In view of non-cooperation from the exporters from China, the Authority has determined normal value in China on the basis Rule 6(8), i.e. best information available.

EXPORT PRICE:

As explained above there is no dedicated customs classification for the subject goods as the same is classified in others category. Accordingly weighted average export price has been arrived at based on the statistics compiled from Customs Daily Lists. Adjustments on account of freight, marine insurance, commission, port handling etc., to arrive at net export price has been considered as per the claims of the domestic industry.

H. DUMPING MARGIN:

11. The principles governing the determination of normal value, export price and the dumping margin as laid down in the Custom Tariff Act and the Anti Dumping Rules are elaborated in Annexure I to the Rules. The normal value for China P.R. based on the best information available works out to US\$ *** per MT. The net ex factory export price worked out on the basis of similar parameters and allowing adjustments works out to US\$ *** per MT. The dumping margin for exports of the subject goods from China PR is assessed by the Authority at US\$ **** per Kg. or 97.20% of the export price.

12. SINGAPORE**M/S KANEKA SINGAPORE CO. (PTE) LTD.****(a) NORMAL VALUE:**

The exporter has claimed that they have not sold the subject goods in the home market. However they have furnished the month wise details of the sales of the subject goods to third countries. The average sales realisation in the third countries claimed is US\$**** per kg. It has been observed that the volume of exports to third countries is about 15 % of the total sales. The Authority has examined the cost of production as claimed by M/s Kaneka in its reply to the questionnaire so as to determine whether the sales are in the ordinary course of trade or not. It has been observed that the Company has not provided the details of Cost of Production in the manner and format prescribed in the questionnaire. Further the cost details does not give break-up of various elements of cost including the cost of raw materials.

The Authority has found that exports to countries other than India is not in significant quantities and exports to an appropriate third country will not be representative. The Authority has already, in para relating to Like Article, has clarified that exporter submission for comparison on the basis of PHPG DS can not be done, because they are not Like Article.

In this scenario Authority has no option except to go by the cost of production of the subject goods in subject country. While determining cost of production for the exporter based on the data submitted by the exporter Authority observes that the exporter has not provided the detailed cost of production of the subject goods as required in the prescribed Performa. The information relating to cost of production needs further information / clarification. Moreover the exporter has also not provided the Balance Sheet and Profit & Loss Account for the period of investigation. The exporter has provided un-audited Balance Sheet and Profit & Loss Account for the year ending June 2001. The Profit & Loss provided by the exporter in not giving the details of the various expenses account heads and accordingly provided consolidated figure in the Appendix 8 and 10.

The exporter has not provided the complete information required as per Appendix 7 and more over the information submitted in Appendix 8 and 10 for the subject goods is also not as per the prescribed Performa. The exporter has mentioned that costing information submitted is for period of investigation but in absence of back-up final accounts for period of investigation it appears the information submitted is based on the unaudited financial accounts for the period year ending June, 2001. It has been further observed that the exporter has not provided the non confidential summary of the response to questionnaire in the prescribed manner.

In absence of any domestic sales of the subject goods, representative exports to appropriate third country and insufficient and unreliable costing information, the Authority has, therefore, proceeded on the basis of Rule 6(8), i.e. best information available and has assessed the normal value based on the claim of the Domestic Industry.

Accordingly, the normal value assessed by the Authority is US\$**** per Kg.

(b) EXPORT PRICE:

The exporter has exported **** Kg. of PHPG to India for a total value of US\$****. Accordingly, the average export price of PHPG during the period of investigation works out to US\$**** per kg. The exporter has claimed adjustments on account of discount, inland freight, insurance, overseas freight, overseas insurance etc. to arrive at the Ex-factory export price to India. After considering the same the Ex-factory price for export sales to India works out as US \$ ****/Kg. subject to further verification/investigation.

Contd....14/-

The dumping margin in case of M/s KSC from Singapore is assessed by Authority at US\$**** per Kg or 54.32% of the export price.

13. **OTHER EXPORTERS FROM SINGAPORE:**

The Authority provided opportunity to the known exporters from Singapore to furnish information relevant to the investigations and offer comments, if any, in accordance with the Section cited above. The Authority wrote to the High Commission of Singapore in India also. However, no other exporters from Singapore have responded to the Authority's request for information. The claim made by the petitioner with the regard to the determination of normal value has also not been disputed by the other interested party(ies). The Authority has, therefore, proceeded on the basis of Rule 6(8), i.e. best information available.

The Authority has determined the normal value in respect of other exporters from Singapore on the basis of best information available i.e. information furnished by the domestic industry. The export price in case of other exporters has been considered on the basis of the lowest export price of the co-operative exporter from Singapore.

Thus, the dumping margin in case of Non-co-operative/other exporters of PHPG from Singapore is assessed by Authority at US\$**** per Kg. or 67.78%.

I. **INJURY:**

14. Under Rule 11 supra, Annexure –II, when a finding of injury is arrived at, such finding shall involve determination of the injury to the domestic industry, ".... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles...." In considering the effect the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

Contd....15/-

J. CUMULATIVE ASSESSMENT OF INJURY

15. Annexure II (iii) under Rule 11 supra further provides that "in case where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to Anti Dumping investigation, the Designated Authority will cumulatively assess the effect of such imports, only when it determines that the margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent of the imports of the like article or where the export of the individual country is less than three percent, the imports cumulatively accounts for more than seven percent of the imports of like article, and cumulative assessment of the imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles"

The Authority notes that the margin of dumping and quantum of imports from subject countries are more than the limit prescribed above. Cumulative assessment of the effect of the imports from China P.R. and Singapore is appropriate since the export prices from these countries were directly competing with the prices offered by the Domestic Industry in the Indian market and displacing domestic producers here.

16. For the examination of the impact of the imports on the domestic industry in India, the Authority considered such indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilisation, sales quantum, stock, profitability, net sales realisation, the magnitude and margin of dumping, etc. in accordance with Annexure II (iv) of the Rules supra."
17. The various parameters indicating injury to the domestic industry are as follows: -

(a) Quantum of imports and export price

The information with regard to the quantum of imports of the subject goods has been based on the statistics compiled from Customs Daily Lists. The Authority notes that there has been an increase of 36.77% in the volume of imports of the subject goods from the subject countries during the Period of Investigation over 1999-00. Further the export price from the subject countries has also increased during the Period of Investigation against 1999-00.

(b) Changes in market share held by Indian producers and imports from the subject country(ies):

The Authority observes that M/s DOL is the new entrant in manufacture of the subject goods in India and the exporters from subject countries have intensified dumping of the subject goods

into India so as to ensure that domestic industry does not get any market share and also materially retard the establishment of the industry at its nascent stage itself.

(c) Production and Capacity utilisation of the petitioner:

During period of investigation petitioner has only achieved a utilization of 32% of its existing installed capacity. Keeping in view the demand in the country the same is far below than what could have been achieved by the Domestic Industry.

(d) Insignificant gain of market share:

Domestic industry is at nascent stage, hence no past trends are available but domestic industry is unable to increase its sales volume, inspite of huge demand of the subject goods in the country, because of dumped imports from subject countries.

(e) Reduction in selling price, price erosion, price undercutting, price suppression or price depression:

In order to analyse the effect of dumped imports on the selling price of the Domestic Industry an analysis of the monthly sales realisation of the subject goods has been made as under :

Period	Qty Sold/Kg	Net Sales Realization (Rs/Kg)
April-2001	****	****
May-2001	****	****
June-2001	****	****
July-2001	****	****
August-2001	****	****
September-2001	****	****

The table above indicates that the monthly average sales realisation during the Period of Investigation has declined from **** Rs/ Kg. during April 2001 to **** Rs/ Kg. during September 2001 showing a decrease within the Period of Investigation itself. This is mainly due to decrease in the average import price by the exporters after the starting of the commercial production by the Domestic Industry.

(f) Evidence of lost contracts or declining sales:

It has been observed that because of the sharp decrease in the export prices by the exporters, the Domestic Industry could not gain contracts/orders at the prices which could recover the cost of production leave aside a fair return on capital employed. The petitioner could sell the subject goods at substantial losses only.

(g) Employment:

The domestic industry has submitted that as the industry is at its nascent stage, protection from unfair trade practice is vital and urgent otherwise the manpower deployed will loose their jobs.

(h) Profitability :

It has been observed that the Domestic Industry could sell the subject goods at prices so as to match the same being offered by the exporters resulting in huge losses.

18. In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree. For the examination of the impact on the domestic industry in India, the Authority considered such further indices having a bearing on the state of industry as production, sales, stock, profitability, net sales realisation etc. On examination of the evidence, it has been found there has been a sharp price undercutting just after the domestic industry has started its trial run and further intensified during period of investigation. Also there is an increase in the closing stocks with the domestic industry and domestic industry is prevented to utilise its present capacity and capacity utilisation is very low. However, the most significant parameter evidencing injury and threat of further injury, is the price undercutting as per the evidence available with the Authority. The rate of increase of imports during the period of investigation especially from China PR and the corresponding fall in the sales realization of the domestic industry are the parameters clearly showing the injury being suffered by the domestic industry. On the basis of the evidence available before the Authority, it is determined that the domestic industry has suffered injury and is suffering further threat of injury during the period of investigation.
19. The present petition is basically regarding impact of dumped imports causing material retardation of the establishment of the industry. Since the petitioner is attempting to settle its production in the Indian market and the imports from the subject countries are preventing commercialisation of the production by the domestic industry, the imports are causing material retardation to the establishment of the industry. Though, at the "nascent industry" i.e. M/s Daurala Organics Ltd. has recently started production, the industry is yet to find its place in the market. Domestic Industry is unable to achieve a satisfactory level of capacity utilisation and to find its place in the market, because, at the nascent stage itself the domestic industries is being threatened with material retardation, by imports at dumped prices from the subject countries.

K. CAUSAL LINK:

20. In determining whether injury (material/threat/material retardation) to the domestic industry was caused by the dumped imports, the Authority took into account the following facts: -
- (i) Substantial imports of subject goods from China PR and Singapore at dumped prices forced the domestic industry to reduce its selling prices to un-remunerative level, which has resulted in a situation of price undercutting in the Indian market.
 - (ii) The imports from China PR and Singapore suppressed the prices of the product in the Indian market to such an extent that the domestic industry was prevented from recovering its full cost of production and earn a reasonable profit from the sale of subject goods in India.
21. The Authority, therefore, notes from the above that the imports from the subject countries have been at a price below the selling price of the domestic industry. Further, the imports into India have been at a price lower than the non-injurious price for the domestic industry. As a consequence thereof the domestic industry is suffering financial losses. The petitioner was also prevented from increasing the level of capacity utilisation. These parameters collectively and cumulatively indicate that the petitioner has suffered material injury due to the dumped imports.

L. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST:

22. The purpose of anti dumping duties in general is to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.
23. The Authority recognizes that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods.

Contd....20/-

The Authority notes that the imposition of anti dumping measures would not restrict imports from China PR and Singapore in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. The consumers could still maintain two or even more sources of supply.

M. CONCLUSIONS:

24. The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that:

- (I) D (-) Para Hydroxy Phenyl Glycine Base has been exported to India from China PR and Singapore below its normal value;
- (ii) The Indian industry has suffered material injury and facing threat of further injury;
- (iii) The Domestic Industry, on account of the injury being suffered, is suffering material retardation in the establishment of new industry to manufacture D (-) Para Hydroxy Phenyl Glycine Base.
- (iv) The injury has been caused cumulatively by the imports from the subject countries.

25. The Authority considers it necessary to impose an anti dumping duty provisionally, pending final determination, on all imports of D (-) Para Hydroxy Phenyl Glycine Base from subject countries in order to remove the injury to the domestic industry. The margin of dumping determined by the Authority is indicated in the paragraphs above. The Authority proposes to recommend the amount of anti dumping duty equal to the margin of dumping or less, which if levied, would remove the injury to the domestic industry. For the purpose of determining injury, the landed value of imports is proposed to be compared with the non-injurious price of the petitioner company determined for the period of investigation.

26. Accordingly, the Authority recommends that the provisional anti dumping duties be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government on all imports of D (-) Para Hydroxy Phenyl Glycine Base also known as D (-) Alpha Para

Hydroxy Phenyl Glycine, D (-) Alpha Para Hydroxy Phenyl Glycine Base, D (-) Para Hydroxy Phenyl Glycine, Para Hydroxy Phenyl Glycine Base, Para Hydroxy Phenyl Glycine, D (-) P – Hydroxy Phenyl Glycine Base, D (-) P – Hydroxy Phenyl Glycine falling under Custom Heading 2942 originating in or exported from Peoples Republic of China and Singapore pending final determination. The Anti-Dumping duty shall be the difference between the amount mentioned in column 3 of the following table and the landed value of imports per Kg. to be imposed from the date of Notification to be issued in this regard by the Central Govt. on all the imports of subject goods falling under Chapter 29 of the Customs Tariff, originating in or exported from the countries mentioned below: -

S. No. 1.	Exporter/Country 2.	Amount(US\$ Per Kg.) 3.
a.	<u>China P.R.</u>	
	All Exporters	24.83
b.	<u>Singapore</u>	
	1) M/s Kaneka Singapore Co. (Pte) Ltd.	24.83
	2) Other exporters from Singapore	24.83

27. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

N. FURTHER PROCEDURE:

28. The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings: -
- (a) The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final findings;

- (b) Exporters, importers, petitioner and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of preliminary findings. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings;
- (c) The Authority would provide opportunity to all the interested parties for making oral submissions which have to be rendered thereafter in writing;
- (d) The Authority would conduct further verification to the extent deemed necessary;
- (e) The Authority would disclose essential facts before announcing final findings.

L. V. SAPTHARISHI, Designated Authority

